गुप्त काल से लेकर गुप्तोत्तर काल तक

⇒ वह इतिहासकार जिसने यह कहा है कि गुप्तशासक शूद्र अथवा निम्नजाति के थे—**काशी प्रसाद जायसवाल।**

⇒ एलन, एस.के. आयंगर, अल्तेकर, आर.एस. शर्मा, रोमिला थापर इत्यादि वे इतिहासकार हैं जो गुप्त शासकों को मानते है—**वैश्य।**

⇒ वे इतिहासविद् जो गुप्तशासकों को 'क्षत्रिय' मानते हैं—**चट्टोपाध्याय, मजूमदार, एवं ओझा।**

⇒ गुप्तवंश का संस्थापक था—**श्रीगुप्त।**

⇒ 319 से 350 ई. के बीच का वह गुप्तशासक जिसने 'महाराजाधिराज' की उपाधि धारण की थी—**चन्द्रगुप्त प्रथम।**

⇒ वह साम्राज्य जिसका वास्तविक संस्थापक चन्द्रगुप्त प्रथम था—**गुप्त साम्राज्य।**

⇒ वह वर्ष जिसमें चन्द्रगुप्त प्रथम ने 'गुप्त संवत्' का प्रचलन आरम्भ किया—**319-20 ई.।**

⇒ वह शासक जिसने गुप्तकाल में पहली बार 'रजतमुद्राओं' का प्रचलन करवाया—**चन्द्रगुप्त प्रथम।**

⇒ श्रीगुप्त का उत्तराधिकारी था—**घटोत्कच।**

⇒ लिच्छविकुल की वह कन्या जिससे चन्द्रगुप्त प्रथम का विवाह हुआ था—**कुमार देवी।**

⇒ वह शासक जिसने 319 से 355 ई. के बीच शासन किया—**समुद्रगुप्त।**

⇒ प्रयाग प्रशस्ति को लिखा था—**हरिषेण ने।**

⇒ वह गुप्त शासक जिसे 'धरणिबन्ध' कहा गया है—**समुद्र गुप्त।**

Scanned with CamScanner

⇒ वह प्रशस्ति जिसमें समुद्रगुप्त के विजयों का उल्लेख है—**प्रयाग प्रशस्ति।**

⇒ वह गुप्त शासक जिसे स्मिथ ने 'भारत का नेपोलियन' की संज्ञा दी है—**समुद्रगुप्त।**

⇒ गुप्त साम्राज्य की राजधानी थी—**पाटलिपुत्र।**

⇒ समुद्रगुप्त का 'सन्धि विग्रहिक' था—**हरिषेण।**

⇒ वह वस्तु जिस पर समुद्रगुप्त का चित्र वीणा वादन करते हुए दिखाया गया है—**सिक्का।**

⇒ वह शासक जिसे प्रभावती गुप्ता के पूना ताम्रलेख में 'अनेक यज्ञों का अनुष्ठान करने वाला' कहा गया है—**समुद्रगुप्त।**

⇒ गुप्तकालीन राजकीय भोजनालय के अध्यक्ष को कहा जाता था—**खाद्यपाटिक।**

⇒ गुप्तकाल में उच्च श्रेणी के पदाधिकारी को कहा जाता था—**कुमारामात्य।**

⇒ गुप्तकालीन 'सेना के प्रधान' को कहा जाता था—**महादण्डनायक।**

⇒ वह इतिहासकार जिसने रामगुप्त के विषय में सबसे पहले जानकारी दी—**राखालदास बनर्जी।**

⇒ वह गुप्त शासक जिसने 375से 415 ई. तक शासन किया—**चन्द्रगुप्त द्वितीय।**

⇒ वह वाकाटक नरेश जिसका विवाह चन्द्रगुप्त द्वितीय की पुत्री प्रभावती गुप्ता से हुआ था—**रुद्रसेन द्वितीय।**

⇒ वह गुहालेख जिसमें चन्द्रगुप्त द्वितीय को 'सम्पूर्ण पृथ्वी का विजेता' कहा गया है—**उदयगिरि गुहालेख।**

⇒ वह शासक जिसके राजदरबार में चीनी यात्री फाहयान आया था—**चन्द्रगुप्त द्वितीय।**

⇒ वह विजय जिसके उपलक्ष्य में चन्द्रगुप्त द्वितीय ने चाँदी का सिक्का जारी किया था—**शक विजय।**

⇒ वह शासक जिसके राजदरबार में कालिदास एवं अमर सिंह निवास करते थे—**चन्द्रगुप्त द्वितीय।**

⇒ वह स्तम्भ लेख जिसमें चन्द्रगुप्त द्वितीय को 'चन्द्र' कहा गया है—**मेहरौली स्तम्भ लेख।**

⇒ वह व्यक्ति जो चन्द्रगुप्त द्वितीय का 'प्रधान सचिव' था—**वीरसेन 'शाव'।**

⇒ वह व्यक्ति जो चन्द्रगुप्त द्वितीय का प्रधान सेनापति था—**आम्रकार्दव।**

⇒ वह उपाधि जिसे चन्द्रगुप्त द्वितीय ने धारण की थी—**परमभागवत।**

⇒ वे नवरत्न जो चन्द्रगुप्त द्वितीय के राजदरबार में रहते थे—**कालिदास, धनवन्तरि, क्षपणक, अमरसिंह, शंकु, बेतालभट्ट, घटकर्पर, वराहमिहिर तथा वररुचि।**

⇒ मुद्रा की वह धातु जिसमें चन्द्रगुप्त द्वितीय के सिक्के प्राप्त हुए हैं—**स्वर्ण, रजत एवं ताम्र।**

⇒ वह गुप्त शासक जिसके दो अन्य नाम 'देवराज एवं देवगुप्त' भी मिलते हैं—**चन्द्रगुप्त द्वितीय।**

⇒ वह शासक जो चन्द्रगुप्त के बाद गुप्त साम्राज्य की गद्दी पर बैठा—**कुमारगुप्त प्रथम।**

⇒ वह विदेशी यात्री जिसने कुमारगुप्त प्रथम को 'शक्रादित्य' के नाम से उल्लिखित किया है—**ह्वेनसांग।**

⇒ गुप्त वंश का वह शासक जिसने 415 ई. से 455 ई. तक शासन किया—**कुमारगुप्त प्रथम।**

⇒ कुमारगुप्त प्रथम के अन्तिम समय में गुप्त साम्राज्य पर आक्रमण किया था—**पुष्यमित्र।**

⇒ वह गुप्त शासक जो वैष्णवधर्मानुयायी था—**कुमारगुप्त प्रथम।**

⇒ वह गुप्त शासक जिसने 455 से 467 ई. तक शासन किया—**स्कन्दगुप्त।**

⇒ उत्तर प्रदेश का वह जिला जहाँ से स्कन्दगुप्त का कहोम स्तम्भ लेख प्राप्त हुआ है—**गोरखपुर।**

Scanned with CamScanner

- गाजीपुर जनपद की वह तहसील जहां से स्कन्दगुप्त का भितरी स्तम्भ लेख प्राप्त हुआ है—**सैदपुर**।
- स्कन्दगुप्त ने जो उपाधि धारण की थी, वह थी—**परम भागवत एवं क्रमादित्य**।
- वह गुप्त शासक जिसके समय में हूणों का प्रथम आक्रमण हुआ—**स्कन्दगुप्त**।
- वह बर्बर जाति जो मध्य एशिया के निवासी थे—**हूण**।
- सुराष्ट्र प्रान्त का वह राज्यपाल जिसका पुत्र चक्रपालित था—**पर्णदत्त**।
- हूणों का वह प्रथम राजा जो गान्धार पर शासन करता था—**तिगिन**।
- वह हूण शासक जो सर्वाधिक शक्तिशाली था—**तोरमाण**।
- वह धर्म जिसका अनुयायी परवर्ती गुप्त नरेश पुरुगुप्त था—**बौद्ध धर्म**।
- वह उपाधि जिसे परवर्ती गुप्त नरेशों में सर्वाधिक शक्तिशाली राजा बुधगुप्त ने धारण की थी—**श्री विक्रम**।
- वह धर्म जिसका अनुयायी बुधगुप्त था—**बौद्ध धर्म**।
- वह शासक जिसके समय का एरण अभिलेख (510 ई) है—**भानुगुप्त**।
- शासन का वह स्वरूप जो गुप्त काल में था—**संघात्मक**।
- वह स्थान जहाँ 'वर्द्धन वंश' का उदय हुआ—**थानेश्वर**।
- वह स्थान जहाँ 'मौखरिवंश' का उदय हुआ—**कन्नौज**।
- वह स्थान जहाँ 'वर्मन वंश' का उदय हुआ—**कामरूप**।
- वह स्थान जहाँ 'यशोधर्मन' का उदय हुआ—**मालवा**।
- वह काल जिसमें 'सामन्तवाद' का उदय हो चुका था—**गुप्तकाल**।
- गुप्तकालीन 'राजसभा के सदस्य' को कहा जाता था—**सभेय**।
- गुप्तकालीन 'अन्तःपुर के रक्षक' को कहा जाता था—**प्रतिहार**।
- वह पदाधिकारी जो राजमहल के रक्षकों का प्रधान कहलाता था—**महाप्रतिहार**।
- गुप्तकालीन सेना का सर्वोच्च अधिकारी था—**महासेनापति**।
- गुप्तकालीन वह पदाधिकारी जो 'युद्ध एवं शान्ति' का मंत्री था—**महासन्धिविग्रहिका**।
- वह पदाधिकारी जो पुलिस विभाग का प्रधान होता था—**दण्डपाशिक**।
- वह गुप्तकालीन अधिकारी जो 'धर्म सम्बन्धी मामलों का प्रधान' था—**विनय स्थिति स्थापक**।
- गुप्तकाल में प्रान्त को कहा जाता था—**देश, अवनि अथवा युक्ति**।
- भुक्ति के प्रधान को कहा जाता था—**उपरिक**।
- सीमान्त प्रदेशों के शासकों को कहा जाता था—**गोप्ता**।
- गुप्तकालीन जिलों को कहा जाता था—**विषय**।
- विषय के प्रधान को कहा जाता था—**विषयपति या कुमारामात्य**।
- प्रत्येक जिले का वह अधिकारी जो अभिलेखों को सुरक्षित रखता था—**पुस्तपाल**।
- वह समिति जो प्रत्येक जिले में होती थी और जिसके सदस्य 'विषय महत्तर' कहे जाते थे—**विषय समिति**।
- गुप्तकालीन वह प्रधान अधिकारी जो नगर में होते थे—**पुरपाल**।
- गुप्तकाल में शासन की सबसे छोटी इकाई थी—**ग्राम**।
- मध्यभारत में 'ग्रामसभा' को कहा जाता था—**पंचमण्डली**।

Scanned with CamScanner

- वह काल जिसमें दीवानी एवं फौजदारी कानूनों की व्याख्या पहली बार की गयी थी—**गुप्तकाल।**
- विभिन्न जातियों की वह समिति जो नगर में होती थी—**पुग।**
- वह संस्था जो गुप्तकालीन ग्रामों में न्याय का कार्य करती थी—**ग्राम पंचायतें।**
- वह विदेशी यात्री जिसने गुप्तकालीन दण्डविधान को अत्यन्त कोमल बताया है—**फाह्यान।**
- वह पदाधिकारी जो सेना के सामानों की व्यवस्था करने वाला प्रधान था—**रणभाण्डागरिक।**
- गुप्तकाल में हाथियों की सेना का प्रधान को कहा जाता था—**महपीलुपति।**
- घुड़सवारों की सेना के प्रधान को कहा जाता था—**भटाश्वपति।**
- गुप्तकाल में ब्राह्मणों एवं मन्दिरों को दी जाने वाली भूमि को कहा जाता था—**अग्रहार।**
- गुप्तकाल में भूमि पर सामान्यतः किसका स्वामित्व था—**सम्राट का।**
- गुप्तकालीन वह पदाधिकारी जो भूमिकर संग्रह करता था—**ध्रुवाधिकरण।**
- वे पदाधिकारी जो भूमि आलेखों को सुरक्षित रखते थे—**महाक्षपटलिक एवं करणिक।**
- वह पदाधिकारी जो भूमि सम्बन्धी विवादों का निपटारा करता था—**न्यायाधिकरण।**
- भूमिकर का वह भाग जो गुप्त काल में लिया जाता था—**1/4 से 1/6 भाग तक।**
- वह कर जिसे गुप्त कालीन अभिलेखों में 'भाग एवं उद्रंग' कहा गया है—**भूमिकर।**
- वह कर जो सीमा एवं बिक्री की वस्तुओं पर लगता था—**शुल्क।**
- वह स्मृति जिसमें कन्या के लिए उपनयन एवं वेदाध्ययन का निषेध किया गया है—**याज्ञवल्क्य स्मृति।**
- भानुगुप्त का वह अभिलेख जिसमें 'सतीप्रथा' का उल्लेख है—**एरण अभिलेख।**
- एरण अभिलेख में उल्लिखित वह स्त्री जो सती हो गयी थी, उसका पति था—**गोपराज।**
- वह क्षेत्र जिसका संचालन गुप्तकालीन श्रेणियां करती थी—**व्यवसाय एवं उद्योग।**
- गुप्तकाल में 'बैंक का कार्य' करती थीं—**श्रेणियाँ।**
- गुप्तकाल का वह 'बन्दरगाह' जो पश्चिमी भारत में प्रमुख था—**भृगुकच्छ।**
- गुप्तकाल में व्यापारियों की समिति को कहा जाता था—**निगम।**
- गुप्तकाल में निगम के प्रधान को कहा जाता था—**श्रेष्ठि।**
- वह इतिहासकार जिसके अनुसार गुप्तकाल आर्थिक दृष्टि से पतन का काल था—**आर.एस. शर्मा।**
- गुप्तकालीन शासक धर्मावलम्बी थे—**वैष्णव धर्म के।**
- गुप्तकाल में उपासना का प्रमुख केन्द्र था—**मन्दिर।**
- वह प्रशस्ति जिसमें समुद्रगुप्त को कविराज कहा गया है—**प्रयाग प्रशस्ति।**
- गुप्त साम्राज्य की 'राजभाषा' थी—**संस्कृत।**
- लेखन की वह शैली जिसका प्रयोग प्रयाग प्रशस्ति में हुआ है—**चम्पूशैली।**
- वह शैली जिसमें गद्य एवं पद्य दोनों का प्रयोग साथ-साथ किया जाता है—**चम्पूशैली।**
- कुमारगुप्त प्रथम का दरबारी कवि था—**वत्सभट्टि।**
- वह प्रशस्ति जिसकी रचना वत्सभट्टि ने की थी—**मन्दसौर प्रशस्ति।**
- कालिदास द्वारा रचित विरह की अत्यन्त उत्कृष्ट रचना है—**मेघदूत।**
- 'भारत का शेक्सपीयर' कहा जाता है—**कालिदास को।**

Scanned with CamScanner

- कालिदास की अन्य रचनायें हैं—**रघुवंश, कुमार संभव, ऋतुसंहार, मालविकाग्निमित्र, विक्रमोर्वशीय एवं अभिज्ञान शाकुन्तल।**
- 'किरातार्जुनीय महाकाव्य' की रचना की थी—**भारवि ने।**
- मुद्राराक्षस एवं देवी चन्द्रगुप्तम नामक नाटक के रचनाकार थे—**विशाखदत्त।**
- संस्कृत व्याकरण ग्रन्थ 'चान्द्र व्याकरण' की रचना की थी—**चन्द्रगोमिन ने।**
- अमरकोश के लेखक थे—**अमरसिंह।**
- वह रचनाकार जिसने 'पंचतंत्र' नामक ग्रन्थ लिखा था—**विष्णुशर्मा।**
- गुप्तकालीन वह गणितज्ञ जो सर्वाधिक प्रसिद्ध था—**आर्यभट्ट।**
- आर्यभट्ट की सुप्रसिद्ध कृति है—**आर्यभट्टीयम्।**
- पृथ्वी अपनी धुरी के चारों ओर परिभ्रमण करती है सर्वप्रथम इसका पता लगाया था—**आर्यभट्ट ने।**
- बराहमिहिर की कृतियाँ हैं—**वृहत्जातक, पंचसिद्धान्तिका एवं वृहत्संहिता।**
- गुप्तकाल का प्रारम्भिक मन्दिर है—**सांची का मन्दिर।**
- वह स्थान जहाँ तिगवां का गुप्तकालीन विष्णु मन्दिर स्थित है—**जबलपुर (म.प्र.)** ।
- गुप्तकाल में बना एरण का विष्णु मन्दिर स्थित है—**सागर (म.प्र.) में।**
- वह जनपद जहाँ नचनाकुठार का पार्वती मन्दिर स्थित है—**पन्ना (म.प्र.)** ।
- वह जिला जहाँ भूमरा का शिव मन्दिर स्थित है—**सतना (म.प्र.)** ।
- उ.प्र. का वह जनपद जहाँ गुप्तकालीन देवगढ़ का दशावतार मन्दिर स्थित है—**ललितपुर।**
- उ.प्र. का वह जिला जहाँ गुप्तकालीन भीतरगांव का मन्दिर स्थित है—**कानपुर।**
- वह काल जिसमें सारनाथ का धमेख स्तूप बनाया गया था—**गुप्तकाल।**
- वह गुफा जिसका निर्माण काल 200 से 700 ई. के बीच माना जाता है—**अजन्ता गुफा।**
- वह काल जिसमें विदिशा के निकट 'उदयगिरि की वाराहगुहा' का निर्माण हुआ—**गुप्तकाल।**
- अजन्ता की वह गुफा संख्या जो गुप्तकालीन है—**16वीं, 17वीं एवं 19वीं गुफा संख्या।**
- वह काल जिसमें अलंकृत प्रभामण्डल वाली मूर्तियाँ पायी गयी हैं—**गुप्तकाल।**
- गुप्तकालीन वह ताम्र मूर्ति जो 7.5 फीट ऊंची है, पायी गयी है—**सुल्तानगंज (भागलपुर) से।**
- ग्वालियर में स्थित गुप्तकालीन पर्वतगुफा का नाम है—**बाघ।**
- कला की वह विधि जिसमें अजन्ता के चित्र निर्मित हैं—**टेम्पेरा एवं फ्रेस्को विधि।**
- 'गीले प्लास्टर पर चित्रकारी करने' को कहा जाता है—**फ्रेस्को विधि।**
- 'सूखे प्लास्टर पर चित्रकारी करने' की विधि को कहा जाता है—**टेम्पेरा विधि।**
- अजन्ता की 17वीं गुफा में विविध प्रकार के चित्रांकन हुए हैं, इसलिए 17वीं गुफा को संज्ञा दी गयी है—**चित्रशाला की।**
- वह प्रथम व्यक्ति जिसने 1818 ई. में बाघ की गुफाओं का पता लगाया था—**डेंजरफील्ड।**
- अजन्ता की गुफाओं का सम्बन्ध किस जीवन से है—**धार्मिक जीवन से।**
- बाघ की गुफायें सम्बन्धित हैं—**लौकिक जीवन से।**
- वह काल जिसे स्वर्णयुग, क्लासिकल युग एवं भारत का पेरीक्लीन युग की संज्ञा दी गयी है—**गुप्तकाल।**

Scanned with CamScanner

- वह क्षेत्र जहाँ कदम्ब राजवंश के लोग शासन करते थे—**कुन्तल (कर्नाटक)** ।
- बल्लभी के मैत्रकवंश का संस्थापक था—**भट्टार्क**।
- मैत्रक वंश के शासनकाल में शिक्षा का प्रमुख केन्द्र था—**बल्लभी**।
- भारत में दूसरे हूण आक्रमण का नेतृत्व किया था—**तोरमाण ने**।
- वह शासक जिसके समय में प्रथम हूण आक्रमण हुआ—**स्कन्दगुप्त (455-67 ई.)** ।
- वह स्थान जहाँ मिहिरकुल की राजधानी थी—**गान्धार**।
- वह अभिलेख जिसमें मिहिर कुल को सर्वप्रथम पराजित करने का श्रेय मालवा नरेश को दिया गया है—**मन्दसौर अभिलेख**।
- वह हूण शासक जो 'शैव मत का अनुयायी' एवं 'बौद्धों का घोर शत्रु' था—**मिहिरकुल**।
- वह इतिहासकार जिसने राजपूतों की उत्पत्ति हूणों से माना है—**कर्नलटाड**।
- मौखरिवंश का प्रथम शासक था—**हरिवर्मा**।
- वह नव गुप्तवंश जिसका उदय गुप्त साम्राज्य के पतन के बाद मालवा एवं मगध में हुआ —**परवर्ती गुप्तवंश**।
- परवर्तीगुप्त वंश का अन्तिम महान शासक था—**जीवित गुप्त**।
- वह राजवंश जिसके मौखरि एवं परवर्ती गुप्त वंश के लोग सामन्त थे—**गुप्त राजवंश**।
- बिहार का वह स्थान जहाँ मौखरियों का मूल निवास था—**गया**।
- वह स्थान जहाँ मौखरियों ने अपना राज्य स्थापित किया था—**कन्नौज**।
- परवर्ती गुप्त वंश का संस्थापक था—**कृष्ण गुप्त**।
- वह शासक जिसने मौखरियों को सामन्त स्थिति से स्वतंत्र स्थिति में ले आया—**ईशानवर्मा**।
- वह वंश जिसे कुमारगुप्त ने सामन्त स्थिति से स्वतंत्र स्थिति में ले आया—**परवर्ती गुप्तवंश**।

वर्द्धन वंश

- वह स्थान जहाँ पुष्यभूति वंश की नीव पड़ी—**थानेश्वर**।
- हरियाणा प्रान्त का वह जिला जहाँ थानेश्वर स्थित है—**करनाल**।
- वर्द्धन वंश का संस्थापक था—**पुष्यभूति**।
- प्रभाकर वर्द्धन के दो पुत्रों का नाम था—**राज्य वर्द्धन एवं हर्ष वर्द्धन**।
- राज्यश्री पुत्री थी—**प्रभाकर वर्द्धन की**।
- राज्य श्री की माँ का नाम था—**यशोमती**।
- कन्नौज का वह मौखरि नरेश जिसके साथ राज्यश्री का विवाह हुआ था—**ग्रहवर्मा**।
- वह गौड़ नरेश जिसने राज्य वर्द्धन की हत्या धोखे से कर दी थी—**शशांक**।
- वह राजदूत जिसने प्रभाकर वर्द्धन के बीमार होने की सूचना हर्ष को दी थी—**कुरंगक**।
- 606 ई. में थानेश्वर की गद्दी पर बैठते समय हर्षवर्द्धन की अवस्था थी—**16 वर्ष**।
- वह स्थान जिसे हर्ष ने अपनी राजधानी बनाया—**कन्नौज**।
- वह अश्वारोही जिसने शशांक द्वारा राज्यवर्द्धन की हत्या का समाचार हर्ष को दिया—**कुन्तल**।
- हर्ष का उपनाम मिलता है—**शीलादित्य**।

Scanned with CamScanner

- वह वर्द्धन शासक जिसने 606 से 647 ई. तक शासन किया—**हर्षवर्द्धन**।
- वह चालुक्य नरेश जिसने हर्ष को नर्मदा नदी के तट पर परास्त किया था—**पुलकेशिन द्वितीय**।
- वह शासक जिसने कश्मीर नरेश से गौतमबुद्ध के दाँत के दर्शन एवं पूजा के लिए अनुमति मांगा था—**हर्षवर्द्धन**।
- वह सभा जो प्रत्येक पांचवें वर्ष हर्ष द्वारा प्रयाग में आयोजित की जाती थी—**महामोक्षपरिषद**।
- हर्ष की शासन व्यवस्था का स्वरूप था—**राजतंत्रात्मक**।
- हर्ष के अधीनस्थ शासकों को कहा जाता था—**महाराज या महासामन्त**।
- हर्षकालीन अमात्य या सचिव की तुलना की जाती है—**मंत्री से**।
- वह जो हर्ष का 'प्रधान सचिव' था—**भण्डि**।
- वह जो हर्षवर्द्धन का 'विदेश सचिव' था—**अवन्ती**।
- हर्षकालीन विदेश सचिव को कहा जाता था—**महासन्धिविग्रहिक**।
- अश्वारोही सेना के सर्वोच्च अधिकारी को कहा जाता था—**कुन्तल**।
- वह व्यक्ति जो हर्षकालीन 'गज सेना का प्रधान' था—**स्कन्दगुप्त**।
- हर्ष के शासनकाल में प्रान्तीय शासक को कहा जाता था—**लोकपाल, राष्ट्रीय या उपरिक**।
- हर्षकालीन 'प्रान्त' को कहा जाता था—**भुक्ति**।
- हर्षकालीन प्रान्त की नीचली इकाई 'जिला' को कहा जाता था—**विषय**।
- विषय के प्रधान को कहा जाता था—**विषयपति**।
- विषय की नीचली इकाई 'तहसील' थी, जिसे कहा जाता था—**पाठक**।
- हर्ष के शासन व्यवस्था की सबसे छोटी इकाई थी—**ग्राम**।
- हर्षकालीन ग्राम के प्रधान को कहा जाता था—**ग्रामाक्षपटलिक**।
- ग्रामाक्षपटलिक के सहायक को कहा जाता था—**करणिक**।
- दण्ड का वह प्रकार जो हर्षकाल में अपराध के लिए दिया जाता था—**कठोरदण्ड**।
- हर्षकालीन पुलिस विभाग के अधिकारी को कहा जाता था—**दण्डपाशिक**।
- हर्षकालीन पुलिस कर्मियों को कहा जाता था—**चाट या भाट**।
- भूमिकर का वह भाग जो हर्षकाल में लिया जाता था—**1/6 भाग**।
- वह कर जो व्यापरियों से नकदी लिया जाता था—**हिरण्य**।
- हर्षकालीन वह विभाग जो सैनिक सामग्रियों को सुरक्षित रखता था— **रणभाण्डागाराधिकरण**।
- 'रणभाण्डागाराधिकरण' के प्रधान को कहा जाता था—**रणभाण्डागारिक**।
- हर्षवर्द्धन के पूर्वज उपासक थे—**सूर्य एवं शिव के**।
- वह विदेशी यात्री जो प्रयाग के छठे महामोक्ष परिषद में सम्मिलित हुआ था—**ह्वेनसांग**।
- बौद्ध धर्म की वह शाखा जिसे हर्षवर्द्धन ने संरक्षण प्रदान किया था—**महायान**।
- बौद्ध धर्म का वह सम्प्रदाय जिसकी शिक्षा नालन्दा महाविहार में दी जाती थी—**महायान**।
- हर्ष वर्द्धन का वर्ण था—**वैश्य**।
- विवाह की वह पद्धति जो हर्षकालीन समाज में प्रचलित थी—**अन्तर्जातीय विवाह**।
- वह शासक जिसके समय में 'पुनर्विवाह' का प्रचलन नही था—**हर्षवर्द्धन**।
- पुष्यभूतिवंश का वह शासक जिसके समकालीन समाज में 'सती-प्रथा' का प्रचलन

Scanned with CamScanner

था—**हर्षवर्द्धन**।

- वस्त्र का वह रंग जो हर्षकालीन समाज में प्रिय था—**श्वेतवस्त्र**।
- हर्षवर्द्धन के समय में ब्राह्मणों को दी जाने वाली भूमि कहलाती थी—**ब्रह्मदेय**।
- वह शासक जिसके समय के सिक्कों की संख्या बहुत कम है—**हर्षवर्द्धन**।
- वे तीन संस्कृत नाटक जिसे हर्षवर्द्धन ने लिखा था—**प्रियदर्शिका, रत्नावली एवं नागानन्द**।
- हर्षवर्द्धन के दरबारी कवि एवं लेखक थे—**बाणभट्ट, मयूर एवं मातंग दिवाकर**।
- वह कृति जिसे मयूर ने लिखा था—**सूर्यशतक**।
- वह काल जिसमें 'ब्रह्मसिद्धान्त' के लेखक ब्रह्मगुप्त का जन्म हुआ-**हर्षवर्द्धन काल**।
- हर्ष के समय में 'नालंदा महाविहार' का कुलपति था—**आचार्य शीलभद्र**।
- वह ग्रन्थ जिसमें ह्वेनसांग के यात्रा का वर्णन है—**सी-यू-की**।
- 'ह्वेनसांग की जीवनी' नामक ग्रन्थ का लेखक है—**ह्वी-ली**।
- वह चीनी बौद्ध यात्री जो ह्वेनसांग की चीन वापसी के बाद भारत आया—**इत्सिंग**।
- वह गौड़ शासक जिसने बोधगया के बोधिवृक्ष को कटवाकर गंगा में फेकवा दिया था—**शशांक**।
- नालन्दा महाविहार के पुस्तकालय को कहा जाता था—**धर्मगंज**।
- 11वीं शदी के वे शासक जिनका 'विक्रमशिला' को संरक्षण मिलने से 'नालन्दा महाबिहार' का प्रभाव कम हो गया—**पालशासक**।
- वह मुस्लिम आक्रान्ता जिसने बारहवीं शदी के अन्त में 'नालंदा महाविहार' को ध्वस्त कर दिया—**बख्तियार खिलजी**।
- वह ग्रन्थ जिसकी रचना सातवीं शदी में बाणभट्ट ने की थी—**हर्षचरित**।

त्रिकोणात्मक संघर्ष एवं कन्नौज

- वह शासक जो हर्ष की मृत्यु के बाद 'कन्नौज' की गद्दी पर बैठा-**यशोवर्मन**।
- वह धर्म जिसका अनुयायी यशोवर्मन था—**शैव धर्म**।
- संस्कृत का वह महान नाटककार जो यशोवर्मन के दरबार में रहता था—**भवभूति**।
- वे नाट्य ग्रन्थ जिनको भवभूति ने लिखा था—**मालती माधव, उत्तर रामचरित तथा महावीर चरित**।
- कन्नौज का वह शासक जिसने 700 से 740 ई. तक शासन किया—**यशोवर्मन्**।
- वह स्थान जिसके लिए त्रिकोणात्मक संघर्ष 8वीं 9वीं शदी में पाल, प्रतिहार एवं राष्ट्रकूट शासकों के बीच हुआ—**कन्नौज**।
- वे शासक जो कन्नौज पर सर्वप्रथम अधिकार करने का प्रयत्न किये—**वत्सराज एवं धर्मपाल**।
- वे तीन राजवंशी शासक जिनके बीच कन्नौज पर अधिपत्य के लिए पहली बार संघर्ष हुआ—**वत्सराज, धर्मपाल एंव ध्रुव**।
- वह अवधि जितने समय तक त्रिकोणात्मक संघर्ष चला—**200 वर्ष तक**।
- वह चीनी यात्री जो 613 ई से 715 ई. के बीच भारत आया था—**इत्सिंग**।

Scanned with CamScanner

त्रिकोणात्मक संघर्ष में सम्मिलित शासक

गुर्जरप्रतिहार वंश	राष्ट्रकूटवंश	पालवंश
वत्सराज (783-95 ई.)	ध्रुव (779-93 ई.)	धर्मपाल (775-814 ई.)
नागभट्ट II (795-833 ई.)	गोविन्द III (793-814 ई.)	देवपाल (815-55 ई.)
रामभद्र (833-836 ई.)	अमोघवर्ष (814-880 ई.)	विग्रपाल (855-60 ई.)
मिहिरभोज (836-89 ई.)	----------	नारायण पाल (860-915 ई.)
महेन्द्रपाल (890-910 ई.)	कृष्ण II (880-914 ई.)	----------

दक्षिण भारत

- ⇒ वह प्रदेश जो नर्मदा नदी से लेकर तुंगभद्रा नदी (कर्नाटक) तक विस्तृत था—**दक्कन**।
- ⇒ तुंगभद्रा नदी के दक्षिण का सम्पूर्ण भू-भाग वाला प्रदेश था-**द्रविण**।
- ⇒ **वह शासक जिसने वादामी के चालुक्यवंश की स्थापना की–पुलकेशिन प्रथम।**
- ⇒ कर्नाटक का वह जिला जहाँ वादामी स्थित था—**बीजापुर**।
- ⇒ ऐहोललेख का रचनाकार था–**रविकीर्ति**।
- ⇒ कर्नाटक का वह जिला जहाँ ऐहोल स्थित है—**बीजापुर**।
- ⇒ वह शासक जिसकी उपलब्धियों का वर्णन ऐहोललेख में किया गया है—**पुलकेशिनद्वितीय**।
- ⇒ वह शासक जिसे 'वातापी का प्रथम निर्माता' कहा जाता है—**कीर्तिवर्मन प्रथम**।
- ⇒ वह स्थान जिसे 'रेवती द्वीप' के नाम से जाना जाता था—**गोवा**।
- ⇒ वह चालुक्य शासक जिसने वादामी के गुहा मन्दिर का निर्माण करवाया—**मंगलेश**।
- ⇒ वह शासक जिसे चालुक्य नरेश पुलकेशिन द्वितीय ने नर्मदा नदी के तट पर हराया था—**हर्ष**।
- ⇒ वह शासक जिसने पुलकेशिन द्वितीय को परास्त कर 'वातापीकोण्ड' की उपाधि धारण की थी—**नरसिंहवर्मन**।
- ⇒ वह चालुक्य नरेश जिसने 610 से 642 ई. तक शासन किया—**पुलकेशिन द्वितीय**।
- ⇒ वह चालुक्य शासक जिसके समय में 'पट्टडकल के विशाल शिव मन्दिर' का निर्माण हुआ था—**विजयादित्य**।
- ⇒ वह उपाधि जिसे चालुक्य शासक विक्रमादित्य द्वितीय ने पल्लव नरेश नन्दिवर्मा को पराजित करने के बाद धारण किया था—**कांचीकोड**।
- ⇒ चालुक्य वंश का वह शासक जिसने अपने वंश में सर्वाधिक समय तक शासन किया—**विजयादित्य**।
- ⇒ **वह शासक जिसने कल्याणी के चालुक्य वंश की नींव डाली थी—तैलप द्वितीय (973-97 ई.)** ।
- ⇒ वह भाषा जिसकी उन्नति में तैलप द्वितीय ने महत्वपूर्ण योगदान किया—**कन्नड़**।

Scanned with CamScanner

⇒ तैलप द्वितीय का उत्तराधिकारी था—**सत्याश्रय।**

⇒ कल्याणी का वह चालुक्य शासक जिसने 1076 ई. में 'चालुक्य-विक्रम-संवत्' की शुरुआत की थी—**विक्रमादित्य षष्ठ ने।**

⇒ वह नगर जिसकी स्थापना विक्रमादित्य षष्ठ ने की थी—**विक्रमपुर।**

⇒ 'विक्रमांकदेव चरित' के लेखक थे—**बिल्हण।**

⇒ वह शासक जिसका राजकवि बिल्हण था—**विक्रमादित्य षष्ठ।**

⇒ मिताक्षरा के लेखक थे—**विज्ञानेश्वर।**

⇒ वह उपाधि जिससे विक्रमादित्य ने बिल्हण को विभूषित किया था—**विद्यापति।**

⇒ वह शासक जिसका मंत्री 'विज्ञानेश्वर' था—**विक्रमादित्य षष्ठ।**

⇒ कल्याणी का वह चालुक्य शासक जिसने 'मानसोल्लास' नामक शिल्पशास्त्र की रचना की थी—**सोमेश्वर तृतीय।**

⇒ कल्याणी के चालुक्यवंश का अंतिम शासक था—**सोमेश्वर चतुर्थ।**

⇒ **वेंगी के पूर्वी चालुक्यवंश का संस्थापक था—विष्णु वर्द्धन।**

⇒ भारत का वह प्रान्त जहाँ वेंगी स्थित था—**आन्ध्र प्रदेश।**

⇒ वह उपाधि जिसे विष्णु वर्द्धन ने धारण किया था—**विषमसिद्धि।**

⇒ वह सम्राट जो वेंगी के पूर्वी चालुक्यवंश में सर्वाधिक महान था—**विजयादित्य तृतीय।**

⇒ वेंगी के पूर्वी चालुक्यवंश का वह शासक जिसने विजयवाड़ा के मल्लेश्वरी स्वामी मन्दिर का निर्माण करवाया—**भीम प्रथम।**

⇒ वेंगी के पूर्वी चालुक्यवंश की शासनावधि है—**200 वर्ष।**

⇒ वह राजवंश जिसके लेखों में 'मंत्रिपरिषद' का उल्लेख नहीं है—**चालुक्य।**

⇒ चालुक्य लेखों में ग्राम के अधिकारी को कहा गया है—**गामुंड।**

⇒ चालुक्य लेखों की भाषा है—**संस्कृत।**

⇒ वह व्याकरण ग्रन्थ जिसकी रचना सामन्त गंगराज दुर्वीनीत ने की थी—**शब्दावतार।**

⇒ चालुक्यों का पारिवार चिह्न था—**वाराह।**

⇒ वह धर्म जिसके चालुक्य सम्राट अनुयायी थे—**ब्राह्मण धर्म।**

⇒ चालुक्य शासकों का 'कुलदेवता' था—**विष्णु।**

⇒ वह धर्म जिसका रबिकीर्ति अनुयायी था—**जैन धर्म।**

⇒ ऐहोल स्थित 'मेगुती के जैन मन्दिर' का निर्माणकर्ता था—**रविकीर्ति।**

⇒ बीजापुर जनपद का वह स्थान जिसे मंदिरों का नगर' के नाम से जाना जाता है—**ऐहोल।**

⇒ विक्रमादित्य द्वितीय की वह महारानी जिसने 'विरुपाक्ष मन्दिर' का निर्माण करवाया था—**लोकमहादेवी।**

⇒ **राष्ट्रकूट राजवंश का संस्थापक था—दन्तिदुर्ग।**

⇒ 'आदि पुराण' के रचनाकार थे—**जिनसेन।**

⇒ 'गणित सार संग्रहण' का लेखक था—**महावीराचार्य।**

⇒ वह राष्ट्रकूट शासक जिसके गुरु जैन आचार्य गुणचन्द्र थे—**कृष्ण द्वितीय।**

⇒ वे छोटे-छोटे सामन्त जिन्हें प्रमुख सामन्त अपने यहाँ रखते थे, कहा जाता था—**राजा।**

Scanned with CamScanner

- राष्ट्रकूटों के समय में 'कमिश्नरी' को कहा जाता था—**राष्ट्र**।
- वह अधिकारी जिसे 'राष्ट्र का प्रधान' कहा जाता है—**राष्ट्रपति**।
- राष्ट्र की नीचली इकाई 'जिला' को कहा जाता था—**विषय**।
- विषय का प्रधान था—**विषयपति**।
- विषय की नीचली इकाई 'तहसील' को कहा जाता था—**भुक्ति**।
- भुक्ति (तहसील) के प्रधान को कहा जाता था—**भोगपति**।
- गाँवों की वह संख्या जो प्रत्येक भुक्ति के अधीन होती थी—**पचास**।
- वह पदाधिकारी जिसके सहयोग से विषयपति एवं भोगपति राजस्व वसूला करते थे—**देश ग्रामकूट**।
- वह पदाधिकारी जिसे 'ग्राम का प्रमुख' कहा जाता है—**मुखिया**।
- वह समिति जिसके द्वारा 'स्थानीय शासन' का संचालन होता था—**जनसमिति**।
- ग्राम के वे व्यक्ति जो बड़े एवं बूढ़े थे, कहा जाता था—**महत्तर**।
- राष्ट्रकूट राज्य की आय का प्रमुख साधन था—**भूमिकर**।
- राष्ट्रकूट शासन काल में उपज का वह भाग जो भूमिकर के रूप में लिया जाता था—**1/4 भाग**।
- राष्ट्रकूट सेना का वह अंग जो सर्वाधिक महत्व का था—**पदाति सेना**।
- वह राष्ट्रकूट नरेश जिसके प्रथम गुरु जैन आचार्य 'जिनसेन' थे—**अमोघवर्ष**।
- वह लेखक जिसने 'अमोघवृत्ति' नामक ग्रन्थ लिखा—**साकटायन**।
- वह भाषा एवं साहित्य जिसे राष्ट्रकूट नरेशों ने संरक्षण प्रदान किया—**कन्नड़**।
- वह राष्ट्रकूट नरेश जिसने एक ही पहाड़ को काटकर 'कैलाश मन्दिर' का निर्माण कराया—**कृष्ण प्रथम**।
- वह राजवंश जिसके समय में सिक्के का प्रचलन नहीं था—**राष्ट्रकूट राजवंश**।
- 8वीं शदी का वह राष्ट्रकूट शासक जिसके समय में 'दशावतार मन्दिर' का निर्माण हुआ—**दन्तिदुर्ग**।
- दक्षिण भारत का वह राजवंश जिसने उत्तर भारत की राजनीति में पहली बार हस्तक्षेप किया—**राष्ट्रकूट राजवंश**।
- **देवगिरि के यादव वंश का संस्थापक था—भिल्लम**।
- वह शासक जिसने 'देवगिरि' नामक नगर की स्थापना की—**भिल्लम**।
- वह स्थान जिसे भिल्लम ने अपनी राजधानी बनाया—**देवगिरि**।
- यादव वंश का अन्तिम शासक था—**रामचन्द्र**।
- द्वारसमुद्र के होयसल वंश का संस्थापक था—**विष्णुवर्द्धन (1111 ई.)** ।
- वह वंश, होयसल जिसकी शाखा थी—**यादववंश**।
- वह स्थान जो होयसलों की राजधानी थी—**द्वारसमुद्र**।
- द्वारसमुद्र का वर्तमान नाम है—**हलेबिड**।
- वह प्रान्त जिसमें हलेबिड स्थित है—**कर्नाटक**।
- वह मन्दिर जिसका निर्माण विष्णु वर्द्धन ने करवाया था—**होयसलेश्वर मन्दिर**।
- वह स्थान जहाँ 1117 ई. में 'चेन्ना केशव मन्दिर' का निर्माण विष्णु वर्द्धन ने करवाया था—**बेलूर**।

Scanned with CamScanner

- कदम्ब राज्य का संस्थापक था—**मयूर शर्मन।**
- ब्राह्मणों का वह गोत्र जिसके अन्तर्गत कदम्ब लोग आते थे—**मानव्य गोत्र।**
- वे शासक जो स्वयं को 'हारीतिपुत्र' कहते थे—**कदम्ब शासक।**
- वह कदम्ब नरेश जिसे 'अट्ठारह अश्वमेध यज्ञ' का अनुष्ठान करने वाला कहा गया है—**मयूर शर्मन।**
- गंगवंश (पूर्वी) का संस्थापक था—**वज्रहस्त।**
- गंगवंश का प्रथम शासक था—**कोंकणि वर्मा।**
- वह स्थान जो गंगवंश की प्रारम्भिक राजधानी थी—**कुवलाल (कोलर)** ।
- **वारंगल के काकतीय वंश का संस्थापक था—बेत प्रथम।**
- वह मुसलमान जिसने वारंगल के काकतीय वंश के शासक 'प्रतापरुद्र' से कोहिनूर हीरा प्राप्त किया—**मलिक काफूर।**
- वारंगल के काकतीय वंश का वह शासक जो सर्वाधिक शक्तिशाली था—**गणपति।**
- वह स्थान जिसे 'प्रोल द्वितीय' ने अपनी राजधानी बनाया—**अमकोण्ड।**
- वह शासक जिससे राजधानी को 'वारंगल' में स्थानान्तरित कर दिया—**गणपति।**
- **पल्लववंश का प्रथम शासक था—सिंह वर्मन।**
- कांची का वह पल्लव शासक जिसने 7वीं शदी में 'मतविलास प्रहसन' की रचना की थी—**महेन्द्र वर्मन प्रथम।**
- वह आचार्य जिसने महेन्द्र वर्मन ने संगीत की शिक्षा ली थी—**रुद्राचार्य।**
- पल्लव वंश का वह शासक जो सर्वाधिक शक्तिशाली था—**नरसिंह वर्मन प्रथम (630 से 668 ई. तक)** ।
- वह शासक जिसने 'वातापी कोंड' (वातापी का अपहरण करने वाला) की उपाधि धारण की थी—**नरसिंह वर्मन।**
- वह विदेशी यात्री जो नरसिंह वर्मन के समय में कांची गया था—**ह्वेनसांग।**
- वह शासक जिसने मामल्लपुरम् में 'गणेश मन्दिर' का निर्माण करवाया था—**परमेश्वर वर्मन।**
- वह सम्प्रदाय जिसका परमेश्वरवर्मन अनुयायी था—**शैव सम्प्रदाय।**
- वह शासक जिसकी उपाधि 'विद्याविनीत' थी—**परमेश्वरवर्मन प्रथम।**
- वह धर्म जिसके अनुयायी नन्दिवर्मन द्वितीय एवं दन्तिवर्मन थे—**वैष्णव धर्म।**
- वह सम्प्रदाय जिसका अनुयायी नन्दिवर्मन तृतीय था—**शैव धर्म।**
- वह ग्रन्थ जिसकी रचना 'पेरुन्देवनार' ने की थी—**भारत वेणवा।**
- वह शासक जिसकी राजसभा में कवि एवं सन्त 'पेरुन्देवनार' वास करता था—**नन्दिवर्मन तृतीय।**
- पल्लव काल में ग्राम के मुखिया को कहा जाता था—**ग्राम भोजक।**
- पल्लव काल में 'प्रान्त' को कहा जाता था—**राष्ट्र या मण्डल।**
- वे सन्त जिन्होंने पल्लव राजाओं के शासन काल में 'भक्ति आन्दोलन' चलाया—**नयनार एवं अलवार सन्त।**
- वह धर्म जिसका प्रचार-प्रसार अलवार सन्तों ने किया—**वैष्णव धर्म।**
- वह पल्लव नरेश जिसने सिंचाई हेतु महेन्द्र वाडि में तालाब बनवाया था—**महेन्द्र वर्मन प्रथम।**

Scanned with CamScanner

- वह अलवार साध्वी जो मीरा की भाँति कृष्ण की प्रेम दीवानी थी—**अण्डाल**।
- वह शासक जिसने कांची में 'बैकुण्ठ पेरुमल मन्दिर' का निर्माण करवाया—**नरसिंह वर्मन द्वितीय**।
- वह राज्य जिसमें वैष्णव आन्दोलन का प्रारम्भ सबसे पहले हुआ—**पल्लव राज्य**।
- वह शासक जिसने मामल्लपुर में 'आदिवराह मन्दिर' का निर्माण करवाया—**सिंह विष्णु**।
- वह शासक जिसके राजदरबार में भारवि रहते थे—**महेन्द्र वर्मन प्रथम**।
- 'काव्यादर्श' एवं 'दशकुमार चरित' के लेखक थे—**दण्डी**।
- वह शासक जिसकी राजसभा में 'दण्डी' निवास करता था—**नरसिंह वर्मन**।
- वह स्थान जो पल्लव काल में विद्या का प्रमुख केन्द्र था—**कांची**।
- वह कला शैली जो 'पल्लव कला शैली का आधार' मानी जाती है—**द्रविड़ कला शैली**।
- वह शासक जो 'वास्तुकला की महेन्द्र शैली' का जन्मदाता था—**महेन्द्र वर्मन प्रथम**।
- वह शासक जिसके समय में 'वास्तुकला की मामल्ल शैली' का विकास हुआ—**नरसिंहवर्मन प्रथम महामल्ल**।
- वास्तुकला की वह शैली जिसका प्रारम्भ नरसिंह वर्मन द्वितीय ने किया था—**राजसिंह शैली**।
- कांची का वह मन्दिर जिसका निर्माण राजसिंह शैली' में हुआ है—**कैलाशनाथ मंदिर**।
- वास्तुकला की वह शैली जिसमें छोटे-छोटे मन्दिरों का निर्माण हुआ है—**नन्दिवर्मन शैली**।
- **चोल साम्राज्य का द्वितीय संस्थापक था—विजयालय**।
- वह शासक जिसने लगभग 850 ई. में चोल सत्ता का पुनरोत्थान किया—**विजयालय**।
- वह राजवंश जिसके सामन्त चोल थे—**पल्लव राजवंश**।
- वह स्थान जिसे विजयालय ने स्थानान्तरित कर राजधानी बनाया था—**तंजौर**।
- वह उपाधि जिसे विजयालय ने धारण की थी—**नरकेसरी**।
- वह उपाधि जिसे चोल शासक परान्तक प्रथम ने पाण्ड्य नरेश राजसिंह द्वितीय की संयुक्त सेना को पराजित कर धारण की थी—**मदुरैकोण्ड**।
- वह शासक जिसने सिंहल के कुछ भाग पर अधिकार कर लिया था—**राजराज प्रथम**।
- वह चोल शासक जिसने सम्पूर्ण सिंहल पर अधिकार कर लिया—**राजेन्द्र प्रथम**।
- सिंहल का जीता हुआ वह भाग जिसका नाम राजराज प्रथम ने रखा—**मामुण्डीचोल मण्डलम्**।
- वह स्थान जो 'मामुण्डीचोलमण्डलम्' की राजधानी थी—**पोलोन्नरुवा**।
- वह चोल शासक जिसने अपने शासक के अन्त में 'मालद्वीप को अधिकार में कर लिया—**राजराज प्रथम**।
- वह धर्म जिसका चोल शासक राजराज प्रथम अनुयायी था—**शैवधर्म**।
- वह शासक जिसने राजराजेश्वर या वृहदेश्वर मन्दिर का निर्माण करवाया था—**राजराज प्रथम**।
- वह चोल शासक जिसने 1014 ई. से 1044 ई. तक शासन किया—**राजेन्द्र प्रथम**।
- वह उपाधि जिसे चोल शासक राजेन्द्र प्रथम ने गंगा घाटी की सफलता के बाद धारण की थी—**गंगैकोण्ड**।
- वह नई राजधानी जिसकी स्थापना राजेन्द्र चोल ने त्रिचनापल्ली में की थी—**गंगैकोण्डचोलपुरम्**।
- वह तालाब जिसका निर्माण राजेन्द्र प्रथम ने करवाया था—**चोल गंगम**।
- वह चोल शासक जिसने जावा, सुमात्रा एवं मलय प्रायद्वीप पर अधिकार कर लिया था—**राजेन्द्र**

Scanned with CamScanner

प्रथम।

⇒ वह चोल शासक जिसने अपना राज्याभिषेक युद्ध क्षेत्र में ही करवाया—**राजेन्द्र द्वितीय।**

⇒ वह चोल शासक जिसने 1077 ई. में 72 व्यापारियों का एक दूत मण्डल भेजा था—**कुलोत्तुंग प्रथम।**

⇒ शासन का वह स्वरूप जो चोलकाल में प्रचलित थी—**राजतंत्रात्मक।**

⇒ राजा के प्रधान सचिव' को कहा जाता था—**औलनायकम्।**

⇒ वेतन भुगतान का वह रूप जो चोल राज्य में प्रचलित था—**भूमि के रूप में।**

⇒ प्रान्तों की वह संख्या जो चोल साम्राज्य में थी—**छः।**

⇒ चोल साम्राज्य में प्रान्त को कहा जाता था—**मण्डलम्।**

⇒ मण्डलम् की छोटी इकाई कमिश्नरी थी जिसे चोल काल में कहा जाता था—**कोट्टम।**

⇒ कोट्टम की छोटी इकाई जिला था, जिसे चोल काल में कहा जाता था—**नाडु।**

⇒ नाडु कई ग्राम समूहों में विभक्त था, जिसे कहा जाता था—**कुर्रम।**

⇒ नाडु (जिला) की सभा को कहा जाता था—**नाट्टार।**

⇒ नगर की 'स्थानीय सभा' को कहा जाता था—**नागरतार।**

⇒ वह चोलकालीन संस्था जो ग्राम के आम लोगों की थी—**उर।**

⇒ चोल कालीन वह संस्था जो 'अग्रहार ग्रामों' के लिए थी—**सभा।**

⇒ अग्रहार ग्रामों में निवास करते थे—**विद्वान ब्राह्मण।**

⇒ चोल साम्राज्य में 'समिति' को कहा जाता था—**वारियम्।**

⇒ वह धार्मिक संगठन जो मन्दिरों का प्रबन्ध करता था—**मूल परुडैयार।**

⇒ चोल राज्य में आय का मुख्य साधन था—**भूराजस्व।**

⇒ उपज का वह भाग जो चोल राज्य में भूमिकर के रूप में लिया जाता था—**1/2 से 1/8 भाग तक।**

⇒ चोल राज्य में भूमिकर किस रूप में प्राप्त किया जाता था—**नकदी अथवा वस्तु के रूप में।**

⇒ चोल राज्य में राजस्व विभाग के उच्च अधिकारी को कहा जाता था—**परित्पोत्तगकक।**

⇒ चोल कालीन वह न्यायालय जिसे 'धर्मासन' कहा जाता था—**सर्वोच्च न्यायालय।**

⇒ धर्मासन के न्यायाधीशों को कहा जाता था—**धर्मासन भट्ट।**

⇒ वे शासक जिनके पास 'शक्तिशाली नौसेना' थी—**चोल शासक।**

⇒ वे सैनिक जो सम्राट की सेवा एवं रक्षा के लिए थे, कहे जाते थे—**वैलेक्कारर।**

⇒ चोल काल में सैनिक सेवाओं के बदले दिया जाता था—**भूमि या राजस्व का कुछ भाग।**

⇒ व्यापारियों का वह स्थानीय संगठन जो नगरों में होता था—**नगरम्।**

⇒ वह संस्था जिसे 'नाना देशिस' कहा जाता था—**व्यापारिक संघ।**

⇒ वह धर्म जिसके मतानुयायी अधिकांश चोल शासक हैं—**शैवधर्म।**

⇒ चोलकालीन वह प्रसिद्ध आचार्य जो वैष्णवमत के थे—**रामानुजाचार्य।**

⇒ वह मत जिसका प्रतिपादन रामानुजाचार्य ने किया—**विशिष्टाद्वैत।**

⇒ वह चोल शासक जिसने 'चिदम्बरम् मन्दिर' से गोविन्दराज विष्णु की मूर्ति को समुद्र में फेंकवा दिया था—**कुलोत्तुंग द्वितीय।**

Scanned with CamScanner

- वह आचार्य जिसने गोविन्दराज विष्णु की मूर्ति को तिरुपति में स्थापित किया था—**रामानुजाचार्य।**
- वह शासक जिसने तंजौर में 'राजराजेश्वर मन्दिर' का निर्माण करवाया था—**राजराज प्रथम।**
- वे सन्त जो चोल शासकों के राजगुरू थे—**शैव सन्त।**
- तमिल रामायण'रामावतारम्' के रचनाकार थे—**कम्बन।**
- कला की वह शैली जिसका विकास चोल शासकों ने किया—**द्रविड़ शैली।**
- वह शासक जिसने नार्तामलाई में 'चोलेश्वर मन्दिर' बनवाया—**विजयालय।**
- वह स्थान जहाँ 'बाला सुब्रहमण्यम मन्दिर' का निर्माण आदित्य प्रथमने करवाया था—**कन्ननूर।**
- वह स्थान जहाँ 'सुन्दरेश्वर मन्दिर' स्थित है—**तिरुक्कट्टलै में।**
- वह शासक जिसने 'सुन्देश्वर मन्दिर' बनवाया था—**आदित्य प्रथम।**
- 'श्री निवास नल्लूर' का 'कोरंगनाथ मन्दिर बनवाया था—**परान्तक प्रथम।**
- वह चोल शासक जिसने 'गंगैकोण्ड चोलपुरम्' नामक मन्दिर बनवाया था—**राजेन्द्र प्रथम।**
- 'ऐरातेश्वर मन्दिर' का निर्माण करवाया था—**राजराज द्वितीय ने।**
- वह मन्दिर जो ऐरातेश्वर मन्दिर से प्रभावित है—**कोणार्क का सूर्य मन्दिर।**
- वह भूमि जो भोजनालयों को दी जाती थी—**शालभोग।**
- वह भूमि जो मन्दिरों को दान में दी जाती थी—**देवदान।**
- वह चोल शासक जिसने गंगैकोण्डपुरम् में तालाब का निर्माण करवाया था—**राजेन्द्र प्रथम।**
- दक्षिण का वह भाग जहाँ 'कपास का उत्पादन' होता था—**गुजरात एवं बरार।**
- दक्षिण का वह प्रान्त जहाँ 'बाजरा का उत्पादन' होता था—**कर्नाटक एवं महाराष्ट्र।**
- दक्षिण का वह क्षेत्र जहाँ 'चावल का उत्पादन' होता था—**कोंकड़।**
- दक्षिण का वह स्थान जहां चन्दन, सागौन एवं आबनूस के वृक्ष पाये जाते हैं—**मैसूर।**
- दक्षिण का वह राज्य जिसमें अदरख एवं दाल-चीनी की पैदावार होती थी—**पाण्ड्य राज्य।**
- वह पहाड़ी जहाँ इलाइची एवं गोलमिर्च की कृषि होती थी—**मालाबार पहाड़ी।**
- 'कपूर' का उत्पादन होता था—**दक्षिण भारत की पहाड़ियों पर।**
- दक्षिण भारत का वह स्थान जहाँ 'नील का उत्पादनत' होता था—**कोईलोन।**
- दक्षिण भारत का वह स्थान जहाँ दरियाँ बनायी जाती थीं—**वारंगल।**
- दक्षिण में 'अस्त्र-शस्त्र' के निर्माण का प्रमुख केन्द्र था—**पालनाड।**
- दक्षिण का वह स्थान जहाँ 'हीरे की खान' स्थित था—**गोलकुण्डा एवं कीडेड।**
- व्यवसायियों की वह संख्या जो एक ही प्रकार के व्यवसाय या उद्योग करती थीं—**श्रेणी।**
- श्रेणियों का अपना अलग-अलग नियम होता था जिसे कहा जाता था—**श्रेणीधर्म।**
- वह संस्था जो 'बैंकों' का कार्य करती थी—**श्रेणी।**

पूर्व मध्यकाल, 7वीं सदी से 12वीं शदी तक

- वह ग्रन्थ जिसमें कश्मीर के तीन वंशों कार्कोट, उत्पल एवं लोहार वंश का वर्णन है—**राजतरंगिणी।**
- वह व्यक्ति जिसने कश्मीर में हिन्दू सभ्यता को प्रसारित किया—**अशोक पुत्र जालोक।**

Scanned with CamScanner

- कल्हण का वह ग्रन्थ जो ऐतिहासिक घटनाओं का क्रमबद्ध वर्णन वाला प्रथम ग्रन्थ है—**राजतरंगिणी।**
- वह शासक जिसने कश्मीर में 'कार्कोट वंश' की स्थापना की थी—**दुर्लभ वर्द्धन।**
- वह शासक जिसने प्रतिपादित्य की उपाधि धारण की थी—**दुर्लभक (632-82 ई.)** ।
- वह नगर जिसकी स्थापना दुर्लभक ने की थी—**प्रतापपुर।**
- वह राजवंश जिसका अन्तिम शक्तिशाली राजा विनयादित्य था—**कार्कोट वंश।**
- वह राजवंश जिसका प्रथम शासक 'अवन्तिवर्मन' (855-83 ई.) था—**उत्पल वंश।**
- वह नगर जिसकी स्थापना अवन्तिवर्मन ने की थी—**अवन्तिपुर।**
- वह शासक जिसके समय में 'सुय्य' नामक एक अभियन्ता था—**अवन्ति वर्मन।**
- 980 ई. में उत्पलवंश की सुप्रसिद्ध शासिका थी—**रानी दिद्दा।**
- 1003 ई. में कश्मीर के लोहार वंश का संस्थापक था—**संग्राम राज।**
- लोहार वंश का वह शासक, कल्हण जिसका आश्रित कवि था—**हर्ष।**
- लोहार वंश का वह शासक जिसके समय में कल्हण ने राजतरंगिणी की रचना की थी—**जयसिंह।**
- वह शदी जिसमें राजतरंगिणी की रचना की गयी—**12वीं शदी।**
- लोहार वंश का अन्तिम शासक था—**जयसिंह।**
- **वह व्यक्ति जिसने बंगाल में पालवंश की स्थापना की—गोपाल।**
- बंगाल में पालवंश के शासकों ने कुल कितने वर्षों तक शासन किया—**400 वर्षों तक।**
- बंगाल का वह शासक जिसने 750 से 770 ई. तक शासन किया—**गोपाल।**
- 770 से 810 ई. के बीच बंगाल में पालवंश का शासक हुआ—**धर्मपाल।**
- वह विश्वविद्यालय जिसकी स्थापना धर्मपाल ने की थी—**विक्रमशिला।**
- पालवंश का वह शासक जो सर्वाधिक शक्तिशाली था—**देवपाल।**
- वह धर्म, जिसके अनुयायी पालवंश के शासक थे—**बौद्ध धर्म।**
- वह पाल शासक जिसे बौद्ध धर्म का पुनर्स्थापक माना जाता है—**देवपाल।**
- विहार स्थित वह बौद्ध मठ जिसका निर्माण देवपाल ने करवाया था—**ओदन्तपुरी बौद्ध मठ।**
- वह चोल शासक जिसने 1023 ई. में पालवंशी शासक को परास्त किया था—**राजेन्द्र प्रथम।**
- शिक्षा के वे प्रमुख केन्द्र जो पालवंशी शासकों के समय में थे—**ओदन्तपुरी, सोमपुरी, तथा विक्रमशिला।**
- वह ऐतिहासिक काव्य ग्रन्थ जिसकी रचना संध्याकर नन्दी ने किया था—**रामचरित।**
- वह शासक जो 'पालवंश का द्वितीय संस्थापक' था—**महिपाल।**
- वह शासक जिसने विक्रमशिला विश्वविद्यालय के व्यय हेतु एक सौ ग्राम दान में दिया था—**धर्मपाल।**
- वह गुजराती कवि जिसने धर्मपाल को 'उत्तरापथ स्वामिन' कहा है—**सोड्ढल ने।**
- **वह शासक जो सेन वंश का संस्थापक था—सामन्त सेन।**
- सेनवंश का वह महत्वपूर्ण शासक जिसने 1095 से 1158 ई. के बीच शासन किया—**विजयसेन।**
- वह धर्म जिसका विजयसेन अनुयायी था—**शैवधर्म।**
- वह सेन शासक जिसने 'गौड़ेश्वर' की उपाधि धारण की थी—**बल्लाल सेन।**

Scanned with CamScanner

- सेनवंश का वह शासक जो सर्वाधिक शक्तिशाली था—**लक्ष्मण सेन।**
- वह शासक जिसने 'दानसागर' एवं अपूर्ण ग्रन्थ 'अद्भुत सागर' की रचना की थी—**बल्लाल सेन।**
- वह मुस्लिम जिसने 1202 ई. में सेनवंश की राजधानी 'नाडिया' पर आक्रमण किया—**बख्तियार खिलजी।**
- वह शासक जिसने अपूर्ण ग्रन्थ 'अद्भुतसागर' को पूर्ण किया—**लक्ष्मण सेन।**
- वह शासक जिसके दरबार में 'गीत गोविन्द' के लेखक जयदेव रहते थे—**लक्ष्मण सेन।**
- वह व्यक्ति जो लक्ष्मण सेन का 'प्रधान न्यायाधीश' एवं 'मुख्यमंत्री' था—**हलायुध।**
- वह धर्म जिसे लक्ष्मणसेन ने ग्रहण कर लिया था—**वैष्णव धर्म।**
- **कामरूप के वर्मन वंश का प्रथम महत्वपूर्ण शासक था—पुष्यवर्मन।**
- **वह स्थान जिसे पुष्यवर्मन ने अपनी राजधानी बनाया—प्राक्ज्योतिषपुर।**
- वर्मनवंश का अन्तिम महान शासक था—**भास्कर वर्मन।**
- **वह प्रथम राजवंश जिसने नेपाल में शासन किया—गोपाल वंश।**
- भारत का वह क्षत्रिय राजकुमार जिसने नेपाल को जीता था—**निमिष।**
- वह वर्ष जिसमें नेपालियों ने तिब्बती अधीनता से मुक्ति के बाद नेपाली संवत् की शुरुआत की थी—**879 ई.।**
- **वह स्थान जहां सिन्ध की राजधानी थी—एलोर।**
- वह राजवंश जिसने नवीं शदी में सिन्ध पर आक्रमण किया—**रायवंश।**
- वह प्रथम मुस्लिम आक्रान्ता जिसने 712 ई. में सिन्ध पर आक्रमण किया—**मुहम्मद बिन कासिम।**
- वह शासक जिसका मुहम्मद बिन कासिम के आक्रमण के समय सिन्ध पर शासन था—**दाहिर।**
- ईराक का वह शासक जिसका सेनापति मुहम्मद बिन कासिम था—**अलहज्जाज।**
- वह स्थान जहाँ दाहिर और मुहम्मद बिन कासिम के बीच युद्ध हुआ—**रावर।**

राजपूत काल

- 7वीं से 12वीं शदी के काल को कहा जाता है—**राजपूत काल।**
- वह विद्वान जिसने राजपूतों को विदेशी सीथियन जाति का सन्तान बताया है—**कर्नलटाड।**
- वह विदेशी जाति जिसे मनुस्मृति में 'ब्रात्यक्षत्रिय' कहा गया है—**शक।**
- वह ग्रन्थ जिसमें यह वर्णन है कि राजपूतों की उत्पत्ति अग्निकुण्ड से हुआ था—**पृथ्वीराज रासो।**
- वह लेखक जिसने 'पृथ्वीराज रासो' की रचना की थी—**चन्द्रवरदायी।**
- वे चार राजपूत कुल जिन्हें अग्निकुण्ड से उत्पन्न बताया गया है—**परमार, प्रतिहार, चौहान एवं चालुक्य।**
- वे इतिहासकार जो राजपूतों को विशुद्ध रूप से क्षत्रियों की सन्तान मानते हैं—**सी.वी. वैद्य एवं गौरीशंकर ओझा।**
- वह शब्द जिसका अर्थ 'क्षत् अर्थात् हानि से रक्षा करने वाला' है—**क्षत्रिय।**
- वह महाकाव्य जिसकी रचना 'नयचन्दसूरी' ने की थी—**हम्मीर महाकाव्य।**

Scanned with CamScanner

⇒ वह ग्रन्थ जिसे 'पद्मगुप्त' ने लिखा था—**नवसाहसांक चरित**।

⇒ वह ग्रन्थ जिसमें छत्तीस राजपूत कुलों का वर्णन है—**राजतरंगिणी**।

⇒ **गुर्जर प्रतिहार वंश का संस्थापक जिसने 730 से 756 ई. तक शासन किया—नागभट्ट प्रथम**।

⇒ पुलकेशिन द्वितीय का वह अभिलेख जिसमें गुर्जर जाति का पहला अभिलेखीय वर्णन मिलता है—**ऐहोल अभिलेख**।

⇒ संस्कृत का वह प्रसिद्ध विद्वान जो महेन्द्रपाल प्रथम एवं महीपाल प्रथम के दरबार में रहा—**राजशेखर**।

⇒ वे ग्रन्थ जिनकी रचना राजशेखर ने की थी—**काव्यमीमांसा, कर्पूरमंजरी, विद्धशालभंजिका, बालरामायण तथा भुवनकोश**।

⇒ वह ग्रन्थ जिसकी रचना जयानक ने की थी—**पृथ्वीराज विजय**।

⇒ गुर्जर शब्द की व्याख्या करते हुए यह किसने कहा है कि गुर्जर शब्द स्थानवाचक है जातिवाचक नहीं—**के. एम. मुंशी**।

⇒ वह राजवंश जिसका शासक 'मिहिरभोज' था—**प्रतिहार वंश**।

⇒ वह प्रतिहार शासक जिसने 'कन्नौज' को अपनी राजधानी बनाया—**मिहिरभोज**।

⇒ वह उपाधि जिसे मिहिर भोज ने धारण की थी—**'आदिवराह' एवं 'प्रभास'**।

⇒ वह शासक जो गुर्जर प्रतिहार वंश में सर्वाधिक शक्तिशाली था—**मिहिरभोज**।

⇒ वह धर्म जिसका मिहिरभोज अनुयायी था—**वैष्णव धर्म**।

⇒ वे शासक जिन्होंने मिहिरभोज को पराजित किया था—**देवपाल एवं ध्रुव**।

⇒ वह राजवंश जिसका शासक ध्रुव था—**राष्ट्रकूट वंश**।

⇒ वह प्रतिहार शासक जिसके समय में प्रतिहार साम्राज्य में अनेक छोटे-छोटे स्वतंत्र राज्य स्थापित हो गये—**विजयपाल (960 ई.)** ।

⇒ वे राज्य जो प्रतिहार साम्राज्य से अलग होकर स्वतंत्र हो गये—**बुन्देलखण्ड के चन्देल, शाकम्भरी के चाहमान, ग्वालियर के कच्छप घात, मालवा के परमार, दक्षिणी राजपूताना के गुहिलोत, मध्यभारत के कलचुरि, चेदि के चालुक्य तथा गुजरात के चालुक्य**।

⇒ वह प्रतिहार शासक जिसके समय (लगभग 915-16 ई.) में बगदाद निवासी अलमसूदी गुजरात आया था—**महिपाल**।

⇒ वह विदेशी यात्री जिसने गुर्जर प्रतिहारों को 'अलगुजर' तथा राजा को 'बौरा' कहा है—**अलमसूदी**।

⇒ 9वीं शदी में भारत आने वाला वह विदेशी यात्री जिसने गुर्जर प्रतिहार एवं पाल शासकों का वर्णन किया है—**सुलेमान**।

⇒ वह राजवंश जिसने त्रिकोणात्मक संघर्ष में अन्तिम सफलता प्राप्त किया था—**गुर्जरप्रतिहार**।

⇒ वह गुर्जर प्रतिहार शासक जिसने 'परमभट्टारक परमेश्वर महाराजाधिराज महेन्द्रपाल' उपाधि धारण की थी—**महेन्द्रपाल**।

⇒ कन्नौज का वह शासक जिसके समय में प्रतिहार शासक वत्सराज ने आक्रमण किया था—**आयुधनरेश इन्द्रायुध**।

⇒ **वह स्थान जहाँ 'गहड़वाल या राठौर वंश' की स्थापना हुई थी—कन्नौज**।

⇒ 'प्रबन्ध चिन्तामणि' नामक ग्रन्थ का लेखक था—**मेरुतुंग**।

Scanned with CamScanner

- गहड़वाल शासक गोविन्द चन्द्र का वह मंत्री जिसने विधिग्रन्थ 'कृत्य कल्पतरू' की रचना की थी—**लक्ष्मीधर।**
- वह शासक जिसने गुर्जर प्रतिहारों के बाद 11वीं शदी में 'गहड़वाल वंश' की स्थापना का थी—**चन्द्रदेव।**
- वह उपाधि जिसे चन्द्रदेव ने धारण किया था—**'महाराजाधिराज, परमभट्टारक, तथा परमेश्वर।**
- वह शासक जो गहड़वाल वंश में सर्वाधिक शक्तिशाली था—**गोविन्दचन्द्र।**
- वह राजवंश जिसके शासकों को 'काशीनरेश' के नाम से जाना जाता था—**गहड़वाल वंश।**
- गहड़वाल वंश का वह अन्तिम शासक जिसने 1170 से 1194 ई. तक शासन किया—**जयचन्द।**
- दिल्ली तथा अजमेर का वह चौहान नरेश जो जयचन्द का समकालीन था—**पृथ्वीराज तृतीय।**
- वह गहड़वाल शासक जिसने पृथ्वीराज तृतीय के राज्य पर आक्रमण के लिए मुहम्मद गोरी को आमंत्रित किया था—**जयचन्द।**
- 1194 का वह युद्ध जिसमें मुहम्मद गोरी ने जयचन्द्र को पराजित किया था—**चन्दावर का युद्ध।**
- उ.प्र. का वह जिला जहाँ 'चन्दावर' स्थित है—**एटा।**
- वह ग्रन्थ जिसकी रचना श्रीहर्ष ने की थी—**नैषधचरित।**
- वह गहड़वाल शासक जिसका दरबारी कवि श्रीहर्ष था—**जयचन्द।**
- **वह शासक जिसने 7वीं शदी में शाकम्भरी चौहानवंश की स्थापना की थी—वासुदेव।**
- राजस्थान का वह जिला जहां साम्भर या शाकम्भरी स्थित है—**अजमेर।**
- वह राजवंश जिसके शाकम्भरी चौहानवंश के शासक सामन्त थे—**गुर्जरप्रतिहार।**
- वह चौहान शासक जिसके चरित्र की प्रशंसा सोमदेव कृत 'ललितबिग्रहराज' में की गयी है—**विग्रहराज चतुर्थ।**
- वह चौहान शासक जिसने पुष्कर तीर्थ में 'वाराह मन्दिर' का निर्माण करवाया था—**अर्णोराज।**
- वह चौहान शासक जो 'वीसलदेव' के नाम से प्रसिद्ध था—**विग्रहराज चतुर्थ।**
- वह नाट्य ग्रन्थ जिसे वीसलदेव ने लिखा था—**हरिकेलि।**
- वह चौहान शासक जिसने 1177 से 1192 ई. तक शासन किया—**पृथ्वीराज तृतीय।**
- चौहान वंश का वह शासक जो सर्वाधिक शक्तिशाली था—**पृथ्वीराज तृतीय।**
- कथाओं में दी गयी वह संज्ञा जो चौहान शासक पृथ्वीराज तृतीय के लिए प्रयुक्त है—**रायपिथौरा।**
- वह प्रसिद्ध कवि जो पृथ्वीराज चौहान का दरबारी कवि था—**चन्द्रवरदाई।**
- वह चौहान शासक जिसने गहड़वाल शासक जयचन्द की पुत्री संयोगिता को अपहृत कर लिया था—**पृथ्वीराज तृतीय।**
- 1191 ई. का वह युद्ध जिसमें पृथ्वीराज चौहान ने मुहम्मद गोरी को पराजित कर दिया था—**तराइन का प्रथम युद्ध।**
- 1192 का वह युद्ध जिसमें मुहम्मद गोरी ने पृथ्वीराज चौहान की हत्या कर दी—**तराइन का द्वितीय युद्ध।**
- वह ग्रन्थ जिसे 'हिन्दी साहित्य का प्रथम महाकाव्य' कहा जाता है—**पृथ्वीराज रासो।**
- **वह राजवंश जिसके सामन्त परमारवंश के प्रारम्भिक नरेश थे—राष्ट्रकूट।**
- 10वीं शदी में परमार वंश की स्थापना की थी—**उपेन्द्र या कृष्णराज ने।**

Scanned with CamScanner

⇒ म. प्र. का वह स्थान जहाँ परमार वंश की राजधानी थी—**धारा।**

⇒ वह परमारवंशी जिसने सर्वप्रथम अपने वंश को राष्ट्रकूटों की अधीनता से मुक्ति दिलाया—**सीयक या श्रीहर्ष (945 से 972 ई.)** ।

⇒ परमारवंश का वह शासक जो सर्वाधिक महत्व का था—**भोज।**

⇒ परमारवंश का वह शासक जो 1011 ई. से 1046 ई. तक शासन किया—**भोज।**

⇒ परमार शासक भोज की उपाधि थी—**कविराज।**

⇒ वे ग्रन्थ जिनकी रचना परमार शासक भोज ने की थी—**शृंगार प्रकाश, सरस्वती कंठाभरण, कृत्यकल्प तरू, कूर्मशतक, प्राकृत व्याकरण एवं तत्व प्रकाश।**

⇒ वे कवि जो राजा भोज के दरबारी थे—**भास्कर भट्ट, दामोदर मिश्र एवं धनपाल।**

⇒ वह झील जिसका निर्माण राजा भोज ने करवाया था—**भोजसर।**

⇒ वह परमार शासक जिसने भोजपुर नामक नगर बसाया था—**भोज।**

⇒ वह स्थान जहाँ राजा भोज ने 'त्रिभुवन नारायण का मन्दिर' बनवाया था—**चित्तौड़।**

⇒ राजा भोज के समय का वह नगर जो कला एवं विद्या का केन्द्र था—**धारा।**

⇒ **वह व्यक्ति जिसने 831 ई. में 'चन्देलवंश' की स्थापना की थी—नन्नुक।**

⇒ वह स्थान जहाँ चन्देलों ने स्वतंत्र राज्य की स्थापना की—**बुन्देलखण्ड।**

⇒ बुन्देलखण्ड का वह नाम जो प्राचीनकाल में था—**जेजाकभुक्ति।**

⇒ वह राजवंश जिसके जेजाकभुक्ति के प्रारम्भिक शासक सामन्त थे—**प्रतिहार।**

⇒ मध्य प्रदेश के खजुराहो में विष्णु मन्दिर का निर्माण करवाया था—**यशोवर्मन ने।**

⇒ 950 से 1001 ई. के बीच शासन करने वाला वह शासक जो चन्देलों की वास्तविक स्वाधीनता का जन्मदाता था—**धंग।**

⇒ खजुराहो मन्दिर का निर्माण करवाया था—**चन्देलों ने।**

⇒ चन्देलवंश का वह शासक जो धंग के बाद गद्दी पर बैठा—**गंड।**

⇒ चन्देलवंश का वह शासक जो सर्वाधिक शक्तिशाली था—**विद्यासागर।**

⇒ चन्देलवंश का अन्तिम महान शासक था—**परमर्दिदेव।**

⇒ चन्देलवंश के सेना के दो वीर सेनानायक थे—**आल्हा एवं ऊदल।**

⇒ वह चौहान शासक जिससे लड़ते हुए आल्हा एवं ऊदल वीरगति को प्राप्त हुए—**पृथ्वीराज चौहान।**

⇒ म. प्र. का वह जिला जहाँ खजुराहो स्थित है—**छतरपुर।**

⇒ खजुराहो का सर्वाधिक प्रसिद्ध मन्दिर है—**कण्डरिया महादेव का।**

⇒ **कलचुरी वंश का संस्थापक था—कोकल्ल प्रथम।**

⇒ वह स्थान जहाँ कलचुरी वंश की राजधानी थी—**त्रिपुरी।**

⇒ जबलपुर का वह ग्राम जिसकी पहचान त्रिपुरी से की जाती है—**तेवरग्राम।**

⇒ 1041 से 1070 ई. तक शासन करने वाला कलचुरी वंश का वह शासक जो सर्वाधिक शक्तिशाल था—**कर्णदेव।**

⇒ वह उपाधि जिसे 'कर्णदेव' ने कलिंग विजय के बाद धारण किया—**त्रिकलिंगाधिपति।**

⇒ वह धर्म जिसके अनुयायी कलचुरी वंश के शासक थे—**शैव धर्म।**

Scanned with CamScanner

⇒ **गुजरात के चालुक्य वंश या सोलंकी वंश का संस्थापक था—मूलराज प्रथम।**

⇒ वह शासक जो गुजरात के चालुक्य वंश में सर्वाधिक शक्तिशाली था—**भीमदेव प्रथम।**

⇒ गुजरात के चालुक्य वंश का वह शासक जो 941 से 995 ई. तक शासन किया—**मूलराज प्रथम।**

⇒ गुजरात के चालुक्य वंश की राजधानी थी—**अन्हिलवाण में।**

⇒ गुजरात का वह चालुक्य शासक जिसके समय में महमूद गजनवी ने गुजरात पर आक्रमण कर सोमनाथ मन्दिर को लूटा था—**भीमदेव प्रथम।**

⇒ भीमदेव प्रथम का वह सामन्त जिसने आबूपर्वत पर सुप्रसिद्ध दिलवाड़ा जैन मन्दिर का निर्माण करवाया था—**विमल।**

⇒ वह धर्म जिसके पोषक एवं संरक्षक गुजरात के चालुक्य शासक थे—**जैन धर्म।**

⇒ गुजरात का वह चालुक्य शासक जिसने 'कर्णावती नगर' 'कर्णेश्वर मन्दिर तथा 'कर्ण सागर नामक झील' का निर्माण करवाया था—**कर्ण।**

⇒ गुजरात का वह चालुक्य शासक जिसके राजदरबार में जैन विद्वान हेमचन्द्र निवास करता था—**जयसिंहसिद्धराज।**

⇒ सिद्धपुर का वह मन्दिर जिसे जयसिंह सिद्धराज ने बनावाया था—**रुद्रमहाकाल मन्दिर।**

⇒ वह शासक जो गुजरात के चालुक्य वंश का अन्तिम शासक था—**भीमदेव द्वितीय।**

⇒ **वह काल जिसमें सामन्तवाद का पूर्ण विकास हुआ—राजपूत काल।**

⇒ वह उपाधि जो छोटे-छोटे सामन्तों के लिए प्रयुक्त होता था—**ठाकुर, राजा, भोक्ता।**

⇒ राजपूत काल में राज्य की आय का प्रमुख श्रोत था—**भूमिकर।**

⇒ उपज का वह भाग जो राजपूत काल में भूमिकर के रूप में लिया जाता था—**1/3 से 1/6 भाग।**

⇒ वह संस्था जिसके द्वारा राजपूतकाल में कर एकत्र किया जाता था—**ग्राम पंचायत।**

⇒ विवाह की वह प्रथा जो राजपूत कुल में प्रचलित थी—**स्वयंवर प्रथा।**

⇒ वह काल जिसमें 'बाल विवाह' का प्रचलन था—**राजपूत काल।**

⇒ जौहर एवं सती प्रथा का प्रचलन था—**राजपूत कुल में।**

⇒ लड़कियों की शिक्षा के ह्रास का वह कारण जो राजपूत काल में था—**बाल विवाह।**

⇒ वह प्रख्यात दार्शनिक जिसे शास्त्रार्थ में भारती ने पराजित किया—**शंकराचार्य।**

⇒ कृषकों से उपज के अंश के रूप में लिये जाने वाले कर का नाम था—**भाग।**

⇒ वह कर जो राजा के उपभोग के लिए प्रजा से लिया जाता था—**भोग।**

⇒ वह कर जो राजा को उपहार के रूप में मिलता था—**बलि।**

⇒ वह कर जो कुछ विशेष प्रकार के अनाजों पर लगाया जाता था—**धान्य।**

⇒ वह कर जो नकदी के रूप में वसूला जाता था—**हिरण्य।**

⇒ राजस्थान का वह झील जिससे नमक तैयार किया जाता था—**सांभरझील।**

⇒ वह काल जिसमें शूद्रों का व्यवसाय कृषि हो गया था—**गुप्तोत्तर या पूर्व मध्यकाल।**

⇒ दासो की वह स्थिति जो पूर्वमध्यकाल अथवा राजपूत काल में हो गयी—**कृषिदास।**

⇒ वह स्मृति जिसमें कायस्थों का वर्णन पहली बार मिलता है—**याज्ञवल्क्यस्मृति।**

⇒ वह स्मृति जिसमें कायस्थ शब्द का पहली बार जाति के रूप में उल्लेख है—**ओशनम स्मृति।**

Scanned with CamScanner